प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सस्य हस्तक्षेप द्वारा खाद्य सुरक्षा एंव मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन

विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में सस्य हस्तक्षेप द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन विषय पर कृषि में कार्यरत वैज्ञानिकों का 21–दिवसीय प्रशिक्षण (02 से 22 नवम्बर 2022) तक दिया जायेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, आंध्र प्रदेश, केरला, मध्य प्रदेश, उड़ीसा आदि प्रान्तों के विभिन्न विश्वविद्यालयों से 22 प्रशिक्षणार्थी प्रतिभाग करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन, निदेशक उच्च अध्ययन केन्द्र एवं सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, डा. महेन्द्र सिंह पाल के नेतृत्व में किया जा रहा है। देश में दिन–प्रतिदिन बढ़ती जनसंख्या एवं प्राकृतिक संसाधन विशेष रूप से गिरते जलस्तर, अधिक उत्पादन लागत एवं जल तथा मृदा स्वास्थ्य ह्रास आदि के कारण मनुष्य तथा पशु स्वास्थ्य भी प्रभावित होने लगा है। यही नहीं उत्पादन में ठहराव भी आ गया है, जिससे आगामी समय में मानव समाज के साथ–साथ पशुओं आदि के लिए भी खाद्य समस्या उत्पन्न हो सकती है। वर्तमान समय में फसल सघनता के चलते तथा कम जोत क्षेत्रफल से ज्यादा से ज्यादा उत्पादन प्राप्त करने हेतु प्राकृतिक सम्पदा का दोहन भी निरन्तर जारी है। इन सभी पहलुओं को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा एंव मृदा स्वास्थय संवर्धन, कृषि वैज्ञानिकों के लिए एक चुनौती बनी हुयी है। इस प्रशिक्षण से प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित होकर अपने क्षेत्र के जलवायु अनुरूप टिकाऊ खेती के लिए कार्यक्रम अपना सकेंगे, जिससे कृषि को एक लाभदायी व्यवसाय का रूप दिया जा सके। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंतनगर के सस्य विज्ञान विभाग, अन्य विभागों तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों से अनुभवी कृषि वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिया जायेगा तथा प्रशिक्षणार्थियों के माध्यम से अनुभव के आचार–विचार वार्ता कर कृषि क्षेत्र को और सशक्तता प्रदान करने का प्रयास किया जायेगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा कर आम वैज्ञानिकों को सम्बोधित किया जायेगा तथा कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता, डा. शिवेन्द्र कश्यप तथा निदेशक शोध डा. ए. एस. नैन आदि द्वारा कृषि में बढ़ते निवेश, उत्पादन तकनीक, प्राकृतिक सम्पदा दोहन से संरक्षण आदि पर सुझाव व्यक्त किये जाऐंगे।